पाठ योजना

छात्राध्यापक का नाम - **विषय - हिन्दी (तृतीय भाषा) गद्य**

दिनांक - **शीर्षक :चेरापूँजी से आया हूँ**

अवधि -

कक्षा - IX

वर्ग -

सीखने के उद्देश्य - **अध्यापन के बाद छात्र इन अंशों के योग्य होंगे -**

a) **सामान्य उद्देश्य -** 1. हिन्दी भाषा के प्रति अभिरुचि उत्पन्न कराना ।
2. भाषाई कौशलों का विकास कराना ।

b) **विशिष्ट उद्देश्य -**

ज्ञान (स्मरण) - शब्द जैसे - हरियाली, दरख्त, पटा, खपत, पनबिजली, निहारना, कुहरा, बेहिचक आदि की सूची बनाकर सक्रियता से उनका प्रयोग कराना और शब्द जैसे - मेघालय, पूर्वोत्तर, गोलाकार आदि शब्दों का विच्छेद करके विवरण दिलाना ।

बोधग्रहण (समझना) - पाठ के वाचन (सस्वर, मौन) प्रश्नोत्तर, विवरण के द्वारा पाठ्यांश का अर्थग्रहण कराना।

कौशल - श्रवण, वाचन (सस्वर, मौन) मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशलों की वृद्धि कराना ।

अनुप्रयोग / अभिव्यक्ति - पाठ्यांश के विशेष अभिव्यक्ति / शब्दों को समझाकर अभ्यास कराना । पाठ से प्राप्त ज्ञान को नये संदर्भ में प्रयोग करने प्रोत्साहित कराना।

अधिगम - अध्यापन का संसाधन (पाठोपकरण) -

प्राकृतिक चित्र, चेरापूँजी का चित्र, गुफा का चित्र, मानचित्र, शब्दों का चार्ट, पी.पी.टी, वाक्य प्रयोग के चार्ट, नये शब्द का चित्र आदि।

पद्धति और उपागम -

आदर्शवाचन, छात्रों का सस्वरवाचन, मौनवाचन, बोधग्रहण के प्रश्न, गतिविधियाँ, विवरण, वर्णन आदि।

अध्यापन के सोपान	अध्यापन सोपान का विवरण	अध्यापन-अधिगम की गतिविधियाँ	अधिगम की निर्दिष्टता
सोपान - 1 विषयवस्तु से जुडना	उपयुक्त वातावरण का निर्माण करना	शिक्षक, छात्र के समूह बनाकर, उनको शीर्षक का चित्र, प्राकृतिक चित्र दिखाकर, प्राकृति से संबंधित पर्वत, बारिश, प्रपात आदि के बारे में सुनाकर, चर्चा करवाना। प्रस्तुत शीर्षक के बारे में जो छात्र जानते हैं उसे बताने के लिए प्रोत्साहित करना और उनके उत्तर की प्रशंसा करना।	छात्र चित्र का अवलोकन और कही बातों को सुनते हैं। चर्चा में भाग लेते हैं। छात्र अपने अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
सोपान - 2 विषय वस्तु का प्रस्तुतीकरण	विषयवस्तु का परिचय और प्रस्तुतीकरण करना	पाठ प्रस्तुतीकरण के पहले उद्देश्य कथन के बारे में बताना। उद्देश्य कथन - आज हम इस कक्षा में 'चेरापूँजी से आया हूँ' पाठ के बारे में अध्ययन करेंगे । छात्र को चित्र, मानचित्र, पी.पी.टी के द्वारा पाठ के विषय की अधिक जानकारी की ओर अग्रसर करना ।	छात्र सुनते हैं और समझते हैं।
सोपान - 3 विषय वस्तु की अभिव्यक्ति	अभिव्यक्ति के अंशों का स्पष्टीकरण	शिक्षक, छात्रों को पाठ से संबंधित चित्र और पी.पी.टी. द्वारा, उनकी सहभागिता से पाठ के उद्देश्य के बारे में प्रश्न पूछना, और अधिक जानकारी देना। शिक्षक, केन्द्रीय प्रश्न बोर्ड पर लिखना। केन्द्रीय प्रश्न - चेरापूँजी क्यों प्रसिद्ध है? प्रस्तुत पाठ का मौनवाचन करवाना । शिक्षक की सहायता से सस्तर वाचन -	चित्र का अवलोकन, प्राप्त जानकारी को अभिव्यक्त करते हैं(लिखित, मौखिक) । मौन वाचन करते हैं।

		छात्रों से आरोह - अवरोह के साथ सस्वर वाचन करवाना। अपेक्षित परिणाम के लिए गद्य पाठ को दो / तीन भागों में विभाजित करके बोधग्रहण के प्रश्न पूछना। [मेघालय _____ होता रहेगा।] -प्रस्तुत पाठ के लेखक का नाम क्या है? -मेघालय की राजधानी कौनसी है? -जीप में लेखक के साथ और कितने लोग थे? -पन बिजली का अधिक उत्पादन कहाँ होता है? [हम पहाडों को _____ यह चेरापूँजी है] -मेघालय के तीन पर्वतीय अंचल कौन कौन से हैं? -मेघालय में हर कहीं कौन सी पारिवारिक व्यवस्था है? -माइती बाज़ार किसे कहते हैं? -नोहशंगथियांग प्रपात का लोकप्रिय नाम क्या है? [हाँ खयाल आया ____ आश्चर्य लोक से लौट रहे हैं] -विश्व में चेरापूँजी क्यों प्रसिद्ध है? -खासियों को किस दृष्टि से देखा जाता है? -गारो सनूह को किस जाति का अंग माना	सस्वरवाचन करते हैं। प्रश्नों का उत्तर देते हैं। उत्तर देते हैं।

		जाता है। प्राप्त उत्तरों की चर्चा समूह में कराना। संदर्भानुसार नये शब्द जैसे - हरितिमा, दरख्त, ताज्जुब, खपत, पन बिजली, कुहरा, वर्चस्व के अर्थग्रहण के साथ नये संदर्भ के उन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करवाना। [वाक्यप्रयोग में सहायक संदर्भ चित्रों को दिखाना। जैसे हरिथाली का चित्र बाज़ार का चित्र, सौदा देनेवाली स्त्री का चित्र आदि] अभ्यास के व्याकरणांशों जैसे - द्वित्व शब्द ऊँचा - नीचा, रीति-रिवाज़, अगल-बगल । संधि विचार - जैसे - दीर्घ संधि - उदा : सर्पाकार, मेघालय। गुण संधि - उदा : पूर्वोत्तर विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा मार्गदर्शन देना। कुछ शब्द, वाक्यांश जैसे - मातृसत्तात्मक व्यवस्था, माइती बाज़ार बादलों का घर, मासमाई प्रपात आदि के द्वारा बोधग्रहण की जाँच करना	शब्दों का अर्थ, व्याकरणांशों को समझते हैं और अपनी कॉपी में लिखते हैं। नये संदर्भ में वाक्य रचना करते हैं।
सोपान - 4 विषयवस्तु से आगे (विस्तार)	अधिगम अंशों का अभ्यास	'प्रकृतिक सौंदर्य' शीर्षक पर निबंध लिखवाना और कक्षा में चर्चा कराना। शिक्षक द्वारा पूरे पाठ को संवाद में परिवर्तित करके छात्रों के दो समूह बनाकर वाचन करवाना। अधोलिखित प्रश्नों के द्वारा छात्रों की विषय संबंधी अधिक जानकारी की जाँच करना	अधिक जानकारी प्राप्त करते हैं। पी.पी.टी. का अवलोकन, चर्चा में भाग, सक्रियता से विचारों का विनिमय करते हैं।

		-प्रस्तुत गद्यपाठ में लेखक के व्यक्तित्व के कौन-कौन से गुणों का पता चलता है? -'माइती बाज़ार' के बारे में आपका क्या विचार है?	
सोपान - 5 विषयवस्तु के प्रति प्राप्त ज्ञान का मूल्यांकन	अधिगम के अंशों का सार संग्रह / अधिगम का दृढ़ीकरण	छात्रों को सीखे अंशों का सारांश बताने को कहना। सहभागिता, शुद्ध एवं स्पष्टवाचन, अर्थग्रहण, शुद्ध वर्तनी, विचाराभिव्यक्ति द्वारा अधिगम का दृढ़ीकरण करना । संदेहों का निवारण करना। हरितिमा, कुहरा, निहारना आदि शब्दों को वाक्यों में लिखने तथा वाचन करने को सूचित करना। पाठ के प्रश्नोत्तर के बारे में चर्चा करना। सीखे अंशों का सारांश रूप में बताने, लिखने को कहना।	छात्र गतिविधियों में भाग लेते हैं। संदेह का निवारण कर लेते हैं।
सोपान - 6	अनुसरण गतिविधियाँ	नीचे दिए गए कार्य को लिखकर लाइए। अपनी किसी एक पसंदीदा 'यात्रास्थल' के बारे में सचित्र लिखकर लाइए। शिक्षक अगली कक्षा में इस लेखन का प्रदर्शन करवाएँगे	लिखेंगे

सूचना : प्रस्तुत पाठ योजना में 5 E's का ध्यान रखा गया है।

पाठ - चेरापूँजी से आया हूँ

- प्रदीप पंत

आशय : यात्रा से प्रादेशिक ज्ञान प्राप्त होता है। लोगों के रहन-सहन, प्राकृतिक दृश्यों का सौंदर्य आदि का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है। इस पाठ द्वारा छात्र चेरापूँजी का परिचय प्राप्त कर सकते हैं।

मेघालय - यानी बादलों का घर ।

और मेघालय की राजधानी शिलंग, एक हरा-भरा पर्वतीय नगर, जहाँ हर वक्त बादल उमड़ते घुमड़ते रहते हैं। इतना बड़ा, स्वच्छ, सुंदर पर्वतीय नगर उत्तर भारत में कहीं नहीं है। ऐसा हरीतिमा भी शायद ही कहीं देखने को मिले। शिलंग से चेरापूँजी की ओर जाता मार्ग दोनों ओर पहाड़ों और दरख्तों से पटा पड़ा है। यह ऊँचा-नीचा सर्पाकार रास्ता । रास्ते को पार करते हुए दिखाई पड़ते हैं बादल, बहती है सुहानी हवा और कभी-कभी हो जाती है बूँदाबाँदी।

हमारी जीप शिलंग से 53 किलोमीटर दूर चेरापूँजी की ओर बढ रही है। मेरे साथ राज्य के एक अधिकारी श्री संगमा और उनके दो दोस्त बैठे हैं। मैं जीप की खिड़की बंद करते हुए संगमा से पूछता हूँ, " क्या साल-भर यहाँ वर्षा होती रहती है?" 'जी हाँ ।" संगमा कहते हैं - "आपको जानकर ताज्जुब होगा कि मेघालय में खपत से ज्यादा पनबिजली का उत्पादन होता है। हम अतिरिक्त बिजली अन्य राज्यों को दे देते हैं। 'ऐसा?" मैं सचमुच आश्चर्य से पूछता हूँ। संगमा कहते हैं - "वैसे यदि यहाँ सभी गाँव बिजली से जगमगा उठें, तो भी अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होता रहेगा।"

हम पहाड़ों को निहारते हुए आगे बढ़ रहे हैं। सड़क के उस पार पहाड़ी कुहरे से घिरी हुई है। तीन पर्वतीय अंचलों में बँटा हुआ है मेघालय- खासी पर्वत, गारो पर्वत और जयंतिया पर्वत। और इन्हीं तीन पर्वतीय अंचलों से बने हैं पाँच जिले। हर अंचल की अपनी अलग संस्कृति है, रीति-रिवाज़, पर्व-उत्सव हैं, लेकिन हर कहीं पारिवारिक व्यवस्था मातृसत्तात्मक है - भूमि, धन, संपत्ति सब माँ से बेटी को मिलती हैं।

स्त्री का यहाँ वर्चस्व है, यह अहसास गुवाहाटी से मेघालय की सीमा में घुसने के साथ ही होने लगता है। तमाम दुकानों पर स्त्रियाँ सौदा बेचती और बेहिचक बतियाती दिखाई देती हैं। शिलंग में भी उन्हें दुकानों पर बैठे देखा जा सकता है। शायद यह स्थिति पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में भी है, भले ही वहाँ मातृसत्तात्मक परिवार व्यवस्था न हो। कुछ साल पहले मणिपुर की राजधानी इम्फाल में भी यही सब देखा था। स्त्रियों का पूरा का पूरा बाज़ार ही है वहाँ, जिसे 'माइती बाज़ार' कहते हैं - यानी माँ का बाज़ार। दिन भर सामान की बिक्री कर शाम को अपने-अपने घर लौटती हैं। किसी प्रकार का वर्ग-भेद नहीं। यानी अमीर घरों की स्त्रियाँ भी इस 'माइती बाज़ार' में मिल जाएँगी और गरीब घरों की स्त्रियाँ भी। तभी एक मोड़ निकलने पर चेरापूँजी का छोटा-सा बाज़ार दिखाई पड़ता है।और इस बाज़ार में भी दुकानों पर बैठी हैं महिलाएँ-फिर चाहे दुकान फल-सब्जियों की हो या चाय की। हम आगे बढ़ जाते हैं।

कुछ आगे बढ़कर संगमा ने जीप रुकवा दी। हम सभी नीचे उतर गए। सामने दिखाई पड़ रहा है नोहशंगथियांग प्रपात जो 'मॉसमाई' प्रपात के नाम से लोकप्रिय है। ऊँचे पहाड़ से सैकड़ों फुट नीचे पानी लगातार, बेरोकटोक गिर रहा है। " वह देखिए, सामने रहा बाँग्लादेश।" संगमा के साथियों में से एक कहता है। अभी-अभी, जब जीप से उतरे थे, हल्की धूप थी और अभी क्षण - भर बाद ही, बादल घिरे और हल्की-हल्की वर्षा होने लगी। मैं संगमा के आगे अपना पुराना सवाल दुहराता हूँ, "क्या साल-भर यहाँ वर्षा होती रहती है?" संगमा हँसते हुए कहते हैं, "पंत साहब, यह चेरापूँजी है।"

हाँ, खायल आया, यह चेरापूँजी है - समुद्र की सतह से कोई तेरह सौ मीटर ऊपर, जो विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले स्थान के लिए प्रसिद्ध है। हम लोग कभी कलकल-छलछल करते प्रपात को निहार रहे हैं, कभी पानी से घिरे बाँग्लादेश के भुभाग को।

वर्षा फिर बन्द हो गई हैं। धूप फिर खिल आई है।

इसी तरह वर्षा, धूप, कोहरे की लुका-छिपी का खेल चलता रहता है यहाँ।

हम लोग अब जीप में बैठकर लौट रहे हैं। संगमा रास्ते में खासी, जयंतिया और गारो पहाड़ियों के लोगों के बारे में बताने लगते हैं। वे कहते हैं "खासियों को यहाँ सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। करीब छः लाख गारो लोगों की मातृभूमि है गारो पर्वतमालाएँ। यह माना जाता है कि गारो समूह बोडो जाति का अंग है। नोंगक्रेम खासियों का प्रमुख नृत्य है। जयंतिया पहाड़ियों के उत्सव का नाम है बेहडेनखलाम।"

आगे चलकर एक स्थान पर जीप रुकती है। हम उतरते हैं। बगल में एक गोलाकार विशाल पत्थर है। संगमा बताते हैं, "यह प्राकृतिक शिवलिंग है। सचमुच यह प्रकृति का आश्चर्य है। "और आश्चर्य तो मॉसमाई गाँव की गुफाएँ भी हैं। हमारी जीप इन गुफाओं के पास रुकती है। "गुफाएँ इतनी अँधेरी हैं कि मशाल या टॉर्च जलाए बिना उनमें प्रवेश नहीं कर सकते।" - संगमा का एक साथी कहता है। हमने मशालें जला ली हैं और हम गुफाओं के अंदर आगे बढ़ रहे हैं। अगल-बगल, ऊपर-नीचे पत्थर! सदियों से ये गुफाएँ इसी तरह हैं और दूर, बहुत दूर तक चली गई हैं। हम लोग कुछ दूर जाकर लौट पड़ते हैं जैसे आश्चर्यलोक से लौट रहे हैं।

इकाई परीक्षा से संबंधित विचार

पढ़ाए गए पाठ के आधार पर इकाई परीक्षा का निर्माण करना है। प्रस्तुत इकाई परीक्षा को 50 अंक के लिए बनाया गया है। छात्रों को इस परीक्षा देकर प्राप्त अंकों का विश्लेषण करके परिणाम के सूक्त कारण का पता लगाना है। इकाई परीक्षा के लिए आधार पत्रक (Blue Print) तथा परिणाम के सूक्त कारण पता लगाना है।

इकाई परीक्षा के लिए आधार पत्रक (Blue Print) तैयार करना है।

उद्देश्यों की दृष्टि से अंक भार (9^{th} कक्षा) (Weightage to objectives) (2019-20)

उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	15	30%
समझना	23	46%
अभिव्यक्ति / अनुप्रयोग	12	24%

[रसग्रहण केवल कवितांश के लिए है]

प्रश्न - प्रकार की दृष्टि से अंक भार (Weightage to types of questions)

प्रश्न - प्रकार	प्रश्नों की संख्या	कुल	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ	16	16	32%
लघूत्तर (दो अंक)	04	08	16%
लघूत्तर (तीन अंक)	03	09	18%
दीर्घोत्तर (चार अंक)	03	12	24%
दीर्घोत्तर (पाँच अंक)	01	05	10%
कुल	27	50	100%

कठिनता की दृष्टि मे अंक भार (Weightage to Difficulty level)

कठिनता का स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	15	30%
सामान्य	23	46%
कठिन	12	24%
कुल	50	100%

अंक विश्लेषण -

35% से कम

35% से 50%

50% से 60%

60% से अधिक

परिणाम के बारे में कारण सोचिए ।

तृतीय भाषा हिन्दी आधार पत्रक नौवी कक्षा : इकाई परीक्षा

क्रम संख्या	पाठ का नाम	स्मरण करना					समझना					अभिव्यक्ति / अनुप्रयोग					कुल प्रश्न	अंक
		व.नि.	अ.ल.	ल.उ.	दी.उ.		व.नि.	अ.ल.	ल.उ.	दी.उ.		व.नि.	अ.ल.	ल.उ.	दी.उ.			
01	चेरापूँजी से आया हूँ 01	अंक-01 10	अं-01 03	अं- 2	3	अं- 4 5	अंक-01 02	अं-01 01	अं- 2 04	3	अं-4 01	5 अंक-01	अं-01	अं- 2	3 03	अं-4 02	5 01	27	50

व.नि. – वस्तु निष्ठ, अ.ल. – अल्प लघु, ल.उ. – लघु उत्तर, दी.उ. – दीर्घ उत्तर

इकाई परीक्षा

कक्षा : IX **कुल अंक : 50**

समय

I निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं, सही विकल्प चुनकर लिखिए -

1. 'देखना' शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप यह है - 1x8=8

a. देखो b. दिखाना c. देखलेना d. दिखलाना

2. 'दरख्त' का समनार्थक शब्द लिखिए -

a. पेड़ b. दरार c. सख्त d. बाग

3. 'अमीर' का समनार्थक शब्द लिखिए -

a. गरीमा b. गरीब c. अमीरा d. अमाल

4. 'मेघालय' शब्द में संधि है -

a. दीर्घसंधि b. गुणसंधि c. वृद्धिसंधि d. यण् संधि

5. बहुवचन शब्द चुनिए -

a. गुफाएँ b. खेल c. पहाड़ी d. स्त्री

6. 'क्या साल-भर यहाँ वर्षा होती रहती है' - इस वाक्य के लिए सही विराम चिह्न है -

a. पूर्ण विराम b. अर्धविराम c. प्रश्नार्थक d. विस्मायादि बोधक

7. 'शिक्षक' का अन्य लिंग है -

a. शिक्षिका b. शिक्षका c. शिक्षा d. शीक्षक

8. 'नोंगक्रेम' खासियों _____ प्रमुख नृत्य है।

रिक्त स्थान में सही कारक होगा -

a. का b. के c. की d. को

II प्रथम दो शब्दों के संबंधों के अनुरूप तीसरे शब्द का संबंधित रूप लिखिए - 1x4=4

9. कर्नाटक : बेंगलूर : : मेघालय : _____

10. मेघालय : पर्वत का प्रदेश : : राजस्थान : _____

11. नोंगक्रेम : नृत्य : : बेहडेऩखलाम : _____

12. मॉसमाई : प्रपात : : चेरापूँजी : _____

III एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए - 1x4=4

13. किस राज्य को बादलों का घर कहते हैं?

14. मेघालय के तीन पर्वतीय अंचलों का नाम लिखिए।

15. मेघालय की राजधानी कौन सी है?

16. गारो समूह को किस जाति का अंग माना जाता है?

IV दो वाक्यों में उत्तर दीजिए - 4x2=8

17. बिजली उत्पादन के बारे में संगमाजी का क्थन क्या है?

18. मेघालय की पारिवारिक व्यवस्था के बारे में लिखिए।

19. लेखक के साथ और कौन-कौन सफर कर रहा था?

20. मॉसमाई गाँव की गुफाएँ कैसी हैं?

V तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए - 3x3=9

21. चेरापूँजी की क्या विशेषता है?

22. खासी पहाड़ी लोगों के बारे में लिखिए।

23. कन्नड़ में अनुवाद कीजिए -

मेघालय का अर्थ है बादलों का घर ।

मेघालय में खपत से ज्यादा पनबिजली का उत्पादन होता है।

VI चार / पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए - 4x3=12

24. माइती बाज़ार की क्या विशेषता है?

25. गारो पहाड़ी लोगों का वर्णन कीजिए।

26. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

आजकल बहुत से पदार्थ प्लास्टिक द्वारा बनाए जाते हैं । तुम्हारा फाउंटेन पेन भी प्लास्टिक से बना हुआ है। प्लास्टिक से बने हुए खिलौने, मेज डिब्बे आदि बहुत से सामान प्रचुरता से बाज़ार में बिकते हैं और इनका प्रयोग भी दिन प्रति दिन बढ़ता ही जा रहा है। अब तो प्लास्टिक का इतना व्यवहार होने लगा है कि कुछ लोग वर्तमान युग को 'प्लास्टिक युग' कहने लगते हैं।

प्रश्न - 1. आजकल बहुत से पदार्थ किसके द्वारा बनाए जाते हैं?

2. बाज़ार में बिकनेवाले कौन-कौन से सामान प्लास्टिक से बने हैं?

3. लोग वर्तमान युग को क्यों प्लास्टिक युग कहने लगे हैं?

4. आपका पेन किससे बना है?

VII दशहरे की छुट्टी में अपने दोस्त को आमंत्रित करते हुए उसे एक पत्र लिखिए।
5x1=5

परीक्षा सामग्री

I प्रथम दो शब्दों के संबंधों के अनुरूप तीसरे शब्द का संबंधित रूप लिखिए -

1. कर्नाटक : बेंगलूर : : मेघालय : _____
2. मेघालय : पर्वत प्रदेश : : राजस्थान : _____
3. नोंग्क्रेम : नृत्य : : बेहडेनखलाम : _____
4. मॉसमाई : प्रपात : : चेरापूँजी : _____
5. निमकौडी : कड़वा : : कश्मीरी सेब : _____

II उदाहरणों के अनुसार नीचे दिए गए द्वित्व शब्दों को पूरा कीजिए -
उदा : रीति - रिवाज

1. अगल -
2. ऊँचा -
3. ऊपर -
4. आस -
5. ऊबड -

III नीचे दिए गए वाक्यों में सही / गलत को पहचानिए -

1. चेरापूँजी पहाड़ के लिए प्रसिद्ध है ।
2. माइती बाज़ार में स्त्रियाँ सौदा बेचती हैं ।
3. मातृसत्तात्मक व्यवस्था में संपत्ति माँ से बेटे को मिलती है।
4. नोहशंगथियांग, एक प्रपात है।
5. मेघालय की राजधानी इम्फाल है।

IV इनमें से विजातीय शब्द चुनिए -

1. मेघालय 2. कर्नाटक 3. चेरापूँजी 4. मणिपुर 5. महाराष्ट्र

V इन वाक्यों को क्रम से लिखिए -
होटल से संपर्क कर कमरा निर्धारित करना।

1. छुट्टी लेना ।
2. कपड़े, सामान बाँध लेना ।
3. यात्रा स्थल को चुनना।
4. बस या रेल में आरक्षण की व्यवस्था कर लेना ।

VI दिए गए अपूर्ण वाक्यों को सही वाक्यांश चुनकर पूरा कीजिए -

1. मेघालय की राजधानी है ---
   (ईटानगर, शिलंग, चेरापूँजी, बांगला देश)
2. 'अत्याधिक' का सही संधि विच्छेद है ---
   (अति + अधिक, अत्य + अधिक, अत्य + दिक, अती + अधिक)
3. चेरापूँजी समुद्र तल से इतनी ऊचाई पर है ---
   (1300 मीटर, 300 मीटर, 13 मीटर, 130 मीटर)
4. माइती बाज़ार का तात्पर्य है ---
   (माँ का बाज़ार, सूचना बाज़ार, मेला, उत्सव)
5. इनमें से सही वर्तनी का शब्द है ---

(सम्मान, साम्मन, सम्मन, समन्न)